साँवरे से कोई भी न बात छुपी | by Sheetal pnadey

सांवरे से कोई भी ना बात छिपी
देख रहा ज़र्रे ज़र्रे को मेरा लखदातार
तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार
खबरदार .....खबरदार.....खबरदार.. .....खबरदार

करके कोशिश देख ले पगले श्याम से कुछ भी छिपे ना
कुछ भी छिपे ना
ऐसी चीज़ नहीं दुनिया में जो संवारिये को दिखे ना
जो बाबा को दिखे ना
जहाँ ना पहुंचे नज़र तुम्हारी वहां श्याम सरकार
तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार
खबरदार .....खबरदार.....खबरदार.. .....खबरदार

पाकर के थोड़ी सी बुलंदी तू मद में इतराया
मद में इतराया
अच्छे काम दिखाए जग को और बुरे को छिपाया
बुरे को छिपाया
परदे पे तू पर्दा करले सब कुछ है बेकार
तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार
खबरदार .....खबरदार.....खबरदार.. .....खबरदार

छल फरेब से दूर ये रहता वहां कभी ना जाए
कभी ना जाए
इसने खुद को नहीं छिपाया क्यूँ तू भेद छिपये
भेद छिपाये
छिपा के कुछ भी छिप ना सकेगा जाने सब संसार
तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार
खबरदार .....खबरदार.....खबरदार.. .....खबरदार

अच्छा हो या बुरा बेधड़क कर दे तू इसके हवाले
इसके हवाले
कह दे जो कुछ पास है मेरा तेरा है खाटूवाले
ओ खाटूवाले
इससे नहीं छिपाना कुछ भी ये हैं जाननहार
तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार
खबरदार .....खबरदार.....खबरदार.. .....खबरदार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%a8-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%9b%e0%a5%81%e0%a4%aa%e0%a5%80-by/